• योजना...

महिलाओं को हर हाल में 1500 रुपए पेंशन

शिमला : हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नरेश चौहान ने कहा है कि बीजेपी नेता महिला हितैषी होने का ढोंग कर रहे हैं। एक बयान में नरेश चौहान ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर बार-बार यह दोहरा रहे हैं कि भाजपा महिलाओं की हितैषी है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की जनता यह अच्छी तरह से जानती है कि 1500 रुपए पेंशन रुकवाने के लिए कौन चुनाव आयोग के पास गया। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर को महिलाओं को दिए जा रहे अधिकार में अड़ंगे लगाने के लिए प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि भाजपा नेता ही 1500 रुपए पेंशन रुकवाने के लिए चुनाव आयोग के पास गए थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता जितना मर्जी जोर लगा लें, लेकिन प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन हर हाल में दी जाएगी।

नरेश चौहान ने कहा कि बीजेपी का असली चेहरा हिमाचल प्रदेश की जनता के सामने बेनकाब हो गया है।

बीजेपी सिर्फ महिला विरोधी ही नहीं बल्कि कर्मचारी विरोधी भी है। पुरानी पेंशन मांगने पर भाजपा नेताओं ने सरकारी कर्मचारियों को मजाक बनाया और उन्हें चुनाव लड़ने की चुनौती दी गई। जबकि राज्य में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन प्रदान की, ताकि बुढ़ापे में उन्हें किसी के आगे हाथ फैलाने को मजबूर न होने पड़े और वह आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन जी सकें। बीजेपी नेताओं को प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनते ही पुरानी पेंशन को क्यों बंद कर दिया, जबकि अशोक गहलोत के नेतृत्व में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने राजस्थान के सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन प्रदान की थी।

सीएम के प्रधान सलाहकार (मीडिया) ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। बीजेपी नेता सिर्फ प्रदेश की जनता को गुमराह करने के लिए मीडिया में झूठे बयान दे रहे हैं, लेकिन हिमाचल में लोग पढ़े लिखे हैं, समझदार हैं और सत्य-असत्य के बीच अंतर भली-भांति करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि सीएम सुक्खू ने मात्र सवा साल के कार्यकाल में महिलाओं को 1500 रुपए प्रति महीना पेंशन प्रदान की, सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दी, 20 हजार से अधिक सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

• आरोप...

कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना...

हमीरपुर : अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक दीपक शर्मा ने बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हिमाचल की राजनीति में स्थापित उच्च राजनीतिक परंपराओं और आदर्शों को कलंकित करने में भाजपा ने अहम भूमिका निभाई है। जिस तरह से लोकतंत्र व्यवस्था को खत्म करने का षड्यंत्र रचा गया और चुनी हुई सरकार को तोड़ने का असफल प्रयास किया गया इसके लिए बीजेपी की भूमिका को इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। राष्ट्रीय समन्वयक ने कहा कि पूर्व सीएम जयराम ठाकुर हर रोज कह रहे हैं कि चार जून को चुनाव परिणाम आते ही हिमाचल सरकार गिर जायेगी। यह भाजपा नेता का दिव्य स्वपन है। इससे मात्र बीजेपी की सत्ता लोलुप्तता जाहिर होती है जिसे प्रदेश की जनता समझ चुकी है।

दीपक शर्मा ने कहा कि भाजपा नेताओं का गणित में भी आंकलन कमजोर नजर आता है। भाजपा को पूर्ण बहुमत के लिए दस विधायक चाहिए जबकि चुनाव छह सीटों पर हो रहा है। दीपक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस चारों लोकसभा और विधानसभा उपचुनावों की छः सीटों को जीत कर इतिहास बनाएगी।

छह बागी पूर्व विधायकों से पूछे स्वाल कांग्रेस नेता ने कहा कि छह विद्रोही विधायकों ने कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव जीता था। यह लोग कांग्रेस द्वारा दी गई दस गारंटियों ओपीएस और महिलाओं को 1500 रुपया माहवार आदि के बलबूते जीत कर आए थे। अब क्योंकि यह लोग बीजेपी उम्मीदवार हैं और बीजेपी पुरानी पेंशन योजना के खिलाफ है। अत: यह बताएं कि क्या आप भी अब ओपीएस के विरोधी हैं? हां या ना में जबाब दें।

दीपक शर्मा ने कहा कि बीजेपी के दस वर्षों के कार्यकाल में किसानों के साथ अन्याय हुआ। देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के लगभग 15 लाख करोड़ के बैंक ऋण माफ किए गए, लेकिन किसानों की ऋण मुआफी नहीं की गई। किसान नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में पांच न्याय गरंटियों के माध्यम से पच्चीस गारंटियों दी हैं, जिनसे गरीब अमीर की खाई को पाटने में ऐतिहासिक कदम होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इन सब हथकंडों के बावजूद बीजेपी का ग्राफ गिरा है। उन्होंने कहा कि अंतिम चरण के मतदान तक भाजपा मात्र 150 सीटों के आसपास सिमट जाएगी, क्योंकि जनता भाजपा के हथकंडों को पहचान गई है।

कूरियर से पहुंच रहा चिट्टा

राजधानी में बाहरी राज्य से चिट्टे की खेप पहुंचाने के लिए तस्कर नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। बीते दिनों कूरियर के जरिये चिट्टा तस्करी मामले में पुलिस जांच में अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर एवं पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर दिल्ली निवासी संदीप शाह का नाम सामने आया है। इसे पूरे नेटवर्क का मास्टर माइंड बताया जा रहा है...

● संजू/शिमला

राजधानी शिमला में कूरियर से चिट्टे भेजने के मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस जांच में कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया है कि 3 अप्रैल को पंजाब से शिमला शहर के होटल के पते पर भेजे कूरियर में पार्सल में एक जुराब के भीतर करीब 15 ग्राम चिट्टा अलग-अलग पैकेटों में पैक था। इसे बाद में दोनों आरोपियों ने चिट्टे को आपस में बांटा दिया था।

अब दोनों आरोपियों से पूछताछ और इनके मोबाइल फोन की जांच के बाद पुलिस को मामले में विदेश के कॉलिंग कोड का एक व्हाट्सएप नंबर और स्कैनर हत्थे लगा है। इसकी जांच के लिए पुलिस साइबर सेल की मदद ले रही है।

राजधानी में बाहरी राज्य से चिट्टे की खेप पहुंचाने के लिए तस्कर नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। बीते दिनों कूरियर के जरिये चिट्टा तस्करी मामले में पुलिस जांच में अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर एवं पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर दिल्ली निवासी संदीप शाह का नाम सामने आया है। इसे पूरे नेटवर्क का मास्टर माइंड बताया जा रहा है।

दरअसल, 9 अप्रैल को पुलिस ने 7.98 ग्राम चिट्टे के साथ उत्तर प्रदेश के वीर सिंह (23) पुत्र शत्रुघ्न निवासी मोहनपुरवा, थाना मटौंध, जिला बांदा निवासी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 8 ग्राम चिट्टे को उसने अपने पास रखा, जबकि 7 ग्राम दूसरे साथी आरोपी संतोष कुमार को बेचा था। इसके बाद 12 अप्रैल को पुलिस ने सह अभियुक्त संतोष कुमार (26) उर्फ गप्पा निवासी नीन, डाकघर दुर्गापुर तहसील सुन्नी निवासी को गिरफ्तार किया था।

जांच में दोनों से पूछताछ के आधार पर पता चला कि आरोपी उक्त (विदेशी) नंबर से संपर्क के बाद कूरियर की डिलीवरी शिमला में लेते थे। इस बीच पुलिस ने व्हाट्सएप नंबर और स्कैनर की जांच की तो इसमें दिल्ली के संदीप का नाम सामने आया है। अब पुलिस मानकर चल रही है कि संदीप शाह ही व्हाट्सएप के जरिये इस गोरखधंधे को आपरेट कर रहा है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक संदीप शाह बीते साल ढली थाना में 33 ग्राम चिट्टे में जेल जा चुका है।

कूरियर मामले का मास्टर माइंड संदीप शाह व्हाट्सएप नंबर के जरिये राजधानी में चिट्टा बेचता था। चिट्टे की सप्लाई किस जगह और किसे देनी है यह सिर्फ उसको पता है। 9 अप्रैल को 7.98 ग्राम चिट्टे के आरोपी वीर सिंह और संतोष तो सिर्फ चिट्टे की खेप को उसकी बताई जगह पर रखने का काम करते थे और उपरोक्त जगह पर रखे चिट्टे की फोटो खींचकर उसे भेजते थे। अब पुलिस मानकर चल रही है कि मास्टर माइंड व्हाट्सएप के जरिये इस गोरखधंधे को ऑपरेट कर रहा है। चिट्टा किसे देना यह सिर्फ उसको ही पता है।

5.51 करोड़ की शराब जब्त

शिमला : एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग और पुलिस आचार संहिता के दौरान हर तरह की गतिविधियों पर अपनी पैनी नजर रख रही है। इसी चुस्ती का नतीजा है कि 16 मार्च को आचार संहिता लगने के एक महीने बाद प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण के दौरान 5.51 करोड़ रुपये की शराब पकड़ी जा चुकी है। चुनावी प्रक्रिया के लिए सात मई को अधिसूचना जारी होगी। ऐसे में अब नई योजनाएं घोषणा सहित वित्तीय मंजूरी नहीं दी जा सकती है।

वहीं राजनीतिक दल चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे और शराब सहित अन्य प्रलोभन नहीं दे सकते हैं। ऐसा करने पर नियमों में कड़ी सजा का प्रावधान हैं, लेकिन इतनी सख्ती के बाद भी छोटे पहाड़ी राज्यों में चुनाव के दौरान वोटरों को प्रलोभन देने के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले ही शराब सहित अन्य लालच देकर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास शुरू हो गया है। एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग और पुलिस की आचार संहिता के दौरान हर तरह की गतिविधियों पर पैनी नजर है। इसी चुस्ती का नतीजा है कि 16 मार्च को आचार संहिता लगने के बाद एक महीने की अवधि में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण के दौरान 5.51 करोड़ शराब पकड़ी जा चुकी है।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। 16 मार्च से 16 अप्रैल के बीच एक महीने की अवधि में विभिन्न विभागों ने अब तक 7,85,51,662 रुपये की अवैध शराब, नकदी, आभूषण आदि जब्त किए जा चुके हैं। इसमें 5.51 करो? की 3,81,343 लीटर शराब जब्त की गई है।

• ऊना...

युवक की संदिग्ध मौत...

ऊना : हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पीर निगाह के जंगल में एक युवक का शव खैर के पेड़ पर लटकता हुआ बरामद किया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सुबह स्थानीय लोगों ने पीरनिगाह मंदिर के पास वाले जंगल के बीच खैर के पेड़ पर एक युवक के शव को लटकते हुए पाया। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पंचायत प्रतिनिधियों को दी और मामले के संबंध में पुलिस को भी सूचित किया गया। जानकारी मिलते ही थाना सदर प्रभारी मनोज बलिया दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू कर दी। युवक के शव के पास पुलिस ने एक हैंडबैग भी बरामद किया जिसकी तलाशी लेने पर उसमें से मोबाइल फोन और कुछ अन्य सामान मिला है। मोबाइल के कवर के बीच पुलिस ने एक आधार कार्ड बरामद किया यह आधार कार्ड 24 साल के नवदीप गंगर पुत्र मक्खन सिंह निवासी भोड़ा तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर का है। पुलिस ने इस आधार कार्ड के आधार पर संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों को भी सूचित कर दिया है।

• रद्द होंगे लाइसेंस...

शिमला : प्रदेश में पैराग्लाइडिंग के चलते हो रहे बड़े हादसों के चलते टूरिज्म विभाग ने कड़ा संज्ञान लिया है। दरअसल पैराग्लाइडर नियमों को दरकिनार कर रहे हैं, जिस कारण प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से पैराग्लाइडिंग की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे में अब यदि नियमों की अवहेलना होगी, तो सीधे तौर पर लाइसेंस रद्द होगा। इसके साथ ही पैराग्लाइडर के लिए एसआईवी कोर्स करना जरूरी होगा। इसके साथ ही टूरिज्म विभाग में इनका रजिस्ट्रेशन करवाना होगा और रजिस्टर्ड पैराग्लाइडर को दो साल का कोर्स करना अनिवार्य होगा।